http://www.mjpruonline.com

Paper Code : 11105

227

B. A. (Part II) EXAMINATION, 2014

(Three-year Degree Course)

(New Course)

GENERAL HINDI

Paper First

(प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 50*

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ प्रत्येक 10

नोट : अधोलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। दिए गए उत्तर में शब्दों की संख्या अधिकतम 250 तक हो।

1. प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ-बोध स्पष्ट करते हुए इसके विकास की मीमांसा कीजिए।

अथवा

भाषा-विज्ञान की दृष्टि से एक अच्छे संपादकीय की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

2. संक्षेपण की अर्थच्छवियों का सुस्पष्ट विवेचन कीजिए।

अथवा

पल्लवन की शैलीगत विशिष्टताओं का निरूपण कीजिए।

3. लेखन और आलेखन में क्या अन्तर है ? भाषा की दृष्टि से दोनों का विवेचन कीजिए।

अथवा

पारिभाषिक शब्दावली के गुण-दोषों का निरूपण कीजिए।

खण्ड—ब प्रत्येक 3

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए :

(i) प्रयोजनमूलक हिंदी का औचित्य प्रतिपादित कीजिए।

(ii) पल्लवन एवं व्याख्या का अन्तर बताइए।

(iii) प्रेस-विज्ञप्ति में कथ्य की महत्ता स्पष्ट कीजिए।

(iv) संपादक और आलोचक में बुनियादी अन्तर क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

(v) संक्षेपण एवं सारांश में अन्तर बताइए।

(vi) 'रिक्शा' किस भाषा का शब्द है ?

(vii) 'संस्कृति' पत्रिका के संपादक कौन हैं ?

(viii) "कवि, ऋषि, देव आदि पीछे हो, मानव पहले।
ऐसे रहो कि धरती बोझ तुम्हारा सह ले॥"
द्विपदी का पल्लवन दीजिए।

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

(ix) 'संभाषिका' को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ? बताइए।

(x) 'अभिज्ञ' का विलोम शब्द लिखिए।

खण्ड—स

प्रत्येक 1

5. सभी प्रश्नों के वैकल्पिक उत्तर लिखिए।

(i) 'हिन्दी शब्दानुशासन' के लेखक कौन हैं ?

(क) आचार्य क्षेमचन्द्र

(ख) आचार्य त्रिलोचन शास्त्री

(ग) आचार्य किशोरीदास वाजपेयी

(घ) आचार्य श्यामसुन्दर दास

(ii) 'भाव-सबलता' का अर्थ है :

(क) भाव-गाम्भीर्य

(ख) भाव-सौष्ठव

(ग) भाव-संशोधन

(घ) भाव-वार्द्धक्य

(iii) प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप है :

(क) सैद्धान्तिक हिंदी

(ख) व्याकरणिक हिंदी

(ग) कामकाजी हिन्दी

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(iv) 'हिन्दी' किस भाषा का शब्द है ?

(क) रूसी भाषा का

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

(ख) अरबी भाषा का

(ग) उर्दू भाषा का

(घ) फारसी भाषा का

(v) 'निरुक्त' के लेखक हैं :

(क) बाबू गुलाबराय

(ख) बाबू श्यामसुन्दर दास

(ग) आचार्य किशोरीदास वाजपेयी

(घ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

http://www.mjpruonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.mjpruonline.com